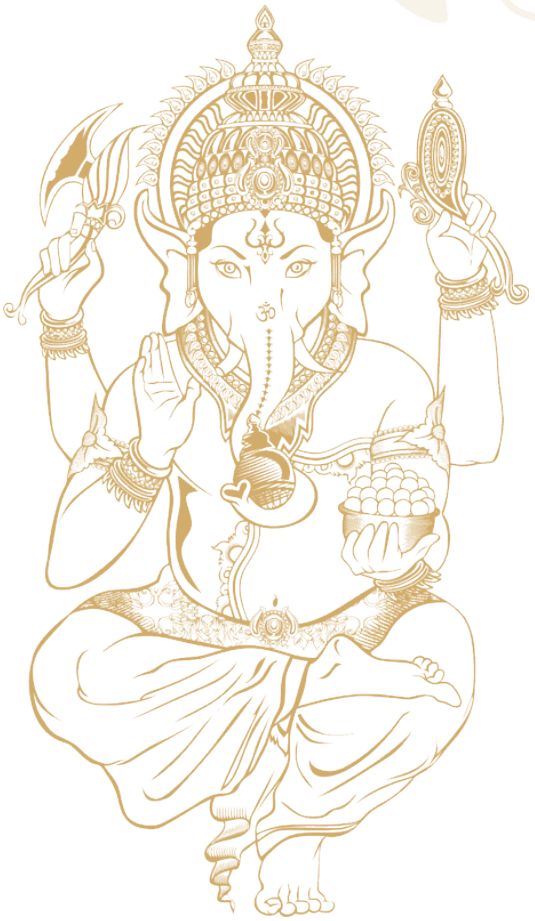

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121784003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25-26/02/1996	जन्म तिथि	30/05/1995
रवि-सोमवार	दिन	मंगलवार
घंटे 05:05:00	जन्म समय	15:25:00 घंटे
घटी 56:14:20	जन्म समय(घटी)	25:28:39 घटी
India	देश	India
Lucknow	स्थान	Kanpur
26:50:00 उत्तर	अक्षांश	26:27:00 उत्तर
80:54:00 पूर्व	रेखांश	80:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:06:24	स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:35:16	सूर्योदय	05:16:40
18:04:53	सूर्यास्त	18:55:56
23:48:19	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:43

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 0वर्ष 0मा 10दि	13:53:50	मक	लग्न		कन्या	29:51:52	मंगल 5वर्ष 8मा 10दि	
राहु	12:51:03	कुंभ	सूर्य		वृष	14:44:41	गुरु	
08/03/2013	09:56:00	वृष	चंद्र		वृष	25:48:59	08/02/2019	
08/03/2031	14:29:09	कुंभ	मंगल		सिंह	08:22:58	08/02/2035	
राहु 19/11/2015	20:13:34	मक	बुध	व	वृष	23:16:14	गुरु 28/03/2021	
गुरु 14/04/2018	17:15:01	धनु	गुरु	व	वृश्चि	16:58:58	शनि 10/10/2023	
शनि 18/02/2021	25:53:26	मीन	शुक्र		मेष	22:30:40	बुध 15/01/2026	
बुध 07/09/2023	01:06:48	मीन	शनि		कुंभ	29:50:29	केतु 22/12/2026	
केतु 25/09/2024	24:11:40	कन्या	राहु	व	तुला	11:29:54	शुक्र 22/08/2029	
शुक्र 25/09/2027	24:11:40	मीन	केतु	व	मेष	11:29:54	सूर्य 10/06/2030	
सूर्य 19/08/2028	08:43:57	मक	हर्ष	व	मक	06:25:34	चन्द्र 10/10/2031	
चन्द्र 18/02/2030	02:53:46	मक	नेप	व	मक	01:28:53	मंगल 15/09/2032	
मंगल 08/03/2031	09:17:14	वृश्चि	प्लूटो	व	वृश्चि	05:09:57	राहु 08/02/2035	

लग्न-चलित

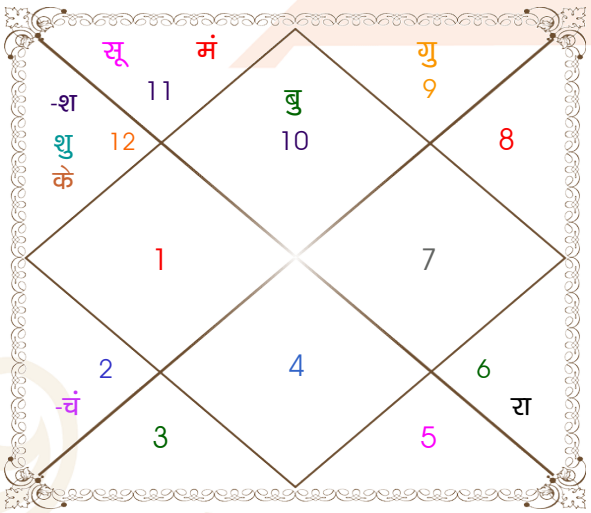

लग्न-चलित

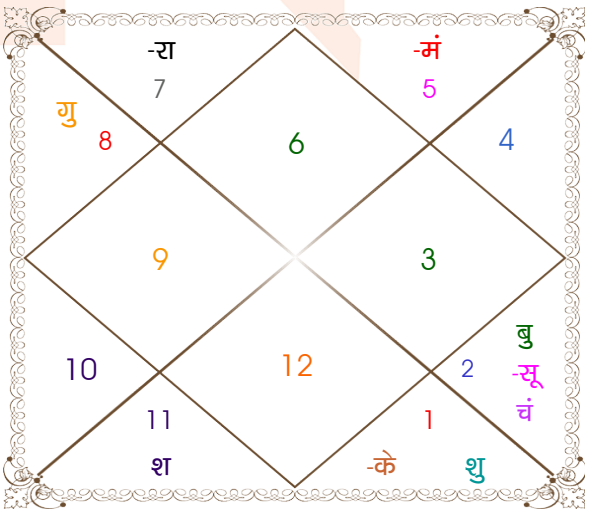

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

Mr. का वर्ग गरूड़ है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।